मात्रु पित्री नाटिका स्क्रिप्ट

सूत्रधार: ये कहानी एक ऐसे लड़के की है जिसका नाम है गोल्डी.आज फैशन और बाहर की चकाचौंध से कितने ही युवान अपने माँ बाप के अरमानो को ठोकर मार देते है . और अगर उनको कोई संभालने वाला नहीं मिले , तो फिर पूरी जिंदगी पश्ताते भी रहते है.

Scene १ विजय तोमर अपनी पत्नी रीचा और बेटे गोल्डी के साथ कुछ समस्या पर चर्चा कर रहे है.

विजय : गोल्डी तुम्हारी परीक्षा की तैयारी कुछ ठीक नहीं दिख रही है. तुम्हारी माँ से पता चला की आजकल कोलेज से आने के बाद आपके पैर घर में नहीं रुकते है. तुम्हारी माँ से ये भी पता चला है पिछले शनिवार तुम किसी लड़की के साथ थीअटर भी गए थे. आब ये बर्दाश नहीं होगा, तुम्हारा चरित्र दिनोदिन बिगड़ता जा रहा है .सुधर जाओ नहीं तो पढना लिखना सब बंद करा दूंगा.

गोल्डी: देखो मोम और डैड मुझपर बिना मतलब का pressure मत बनाओ .ये मोडर्न कल्चर है और मुझे ना पढाने की धमकी ना देना . Internet से पता चला विदेश में एक लड़की के माँ बाप ने उसे ट्यूशन फीस देने से इंकार किया तो उसने उनपर केस दर्ज किया और वो केस जीत गयी . आश्चर्य की बात ये है की वह झगड़ा कर दो साल घर से बाहर भी रही थी और मैं तो रोज रात घर पहुँच जाता हूँ. मुझे १४ फरवरी के लिए सिर्फ १००० रूपये अपने रोकी क्लब में जमा करना है, सो मुझे दे देना—माय रिक्वेस्ट

सूत्रधार: गोल्डी गुस्से में बाहर चले जाता है और रीचा रोते हुए भगवान से प्रार्थना करती है.

रीचा: हे भगवान ! ये लड़का हमपर केस करने की बात कर रहा है. पिछाले १४ फरवरी को भी ये कहि पार्टी में गया था तब से किसीने इसे बहका दिया .हमारी लाज रखना भगवान, लाज रखना!

Scene२ रास्ते से जाते जाते गोल्डी की मुलाकात अपने स्कूल के दोस्त कमल से होती है.

गोल्डी: अरे कमल ! मेरे दोस्त चार साल बाद हम मिले है. ये नेता के लिबाज़ में strange लग रहें हो

और ये ४- ५ बच्चे कौन है .

कमल: मैं बाल संस्कार केंद्र चलता हूँ ,जिसमें बच्चों को संस्कारी बनाने की शिक्षा दी जाती है . मुझे इन बच्चों के साथ कुछ सामान खरीदना है. कल इनका स्टेज शो है . मेरे सद्गुरु संत श्री आशारामजी बापू की प्रेरणा से १४ फरवरी को मात्रु पितृ पूजन दिवस के रूप में मनाया जाता है .तुम बताओ ये तुम्हारी hairstyle, ये chain ,ये पहनावा,ये ब्रासलेट ये सब क्या गाड़बड है?

गोल्डी:अरे दोस्त ज़माने के साथ साथ चलना पड़ता है.तुम्हे क्या बताऊ तुम्हारे दोस्त के दिल में पहले पहले प्यार का तीर घुस गया है.

कमल: ओओह! कुछ ठीक नहीं दिख रहा. तुम्हारे लाइफ का विमान असंयम से आउट ऑफ कण्ट्रोल हो रहा है .तुम्हारी राह आकर्षण याने attraction के काले बदलो से घिरी हुई है.

गोल्डी:अच्छा हा हा फ्रेंड तुम्हारी लाइफ के बारे में बताओ !

कमल: मैंने मंत्रदीक्षा ली है इसीलिए मंत्र शक्ति से मेरा आसमान साफ़ है और संयम से मेरी लाइफ का विमान कण्ट्रोल में है.आखिर तुम्हारे जीवन का लक्ष क्या है ,गोल्डी !

गोल्डी: बस डीग्री पूरी करना और अपने प्यार को पाना

कमल: ये तो बस दिखावटी प्यार है .

गोल्डी : नहीं Friend, I swear ye real love है.

कमल: ये लव की कसमें तो फ़िल्म की पटटीयों पर ही interesting लगती है, कितनो का भविष्य इस कारण अन्धकारमय हो जाता है. अगर तुम रीयल लव का experience करना चाहते है तो ये hairstyle बदलो ,फिशूल के पैसे खर्च करना बंद करो, माता पिता और गुरुजनों का आदर करके मेरे साथ अच्छे काम में हाथ बटाओ .

गोल्डी: तूम मेरी फीलिंग तो समझो,कमल तुम्हारा दिल है या पत्थर ?

कमल: ये वो लाछार , मोहताज़ दिल नहीं जिसकी लाइफ बस २-३ तक रहती है और फिर जीवनभर के लिए डीम हो जाती है.ये तो वो दिल है जो माता पिता और सद्गुरु के प्यार से रोशन है और जब तक मैं हूँ तब तक ये उनके प्रेम में धधकता रहेगा.

कमल: तुमको दिखावटी प्यार का फितूर चड गया है. भूल गए वो दिन जब ५ साल पहले १५ अगस्त को स्कूल में तुमने आपने अपनी संस्कृती ,माता पिता और उनके अहसानो पर स्पीच दे कर सबको प्रभावित कर दिया था. वो ऊँचे अरमान दिखावटी थे या ये प्यार का बुखार दिखावटी है ?

गोल्डी: कमल, तुम मेरे सच्चे मित्र हो. मुझे आपनी गलती का एहसास हो रहा है . मुझे बड़ा पश्चाताप हो रहा है. मैं आज मोम और डैड का दिल दुखाकर आया हूँ . मैं उनसे माफी माँगूंगा और कल तुम्हारे प्रोग्राम में उनके साथ आऊंगा .

सूत्रधार : आज १४ फ़रवरी का दिन है,गोल्डी के माता पिता आपस मेंबातें कर रहे है.

रीचा :सुनो, कल गोल्डी ने जो कहा उसको दिल पे ना लेना,मेरे लाड़ प्यार से वो इतना बिगड गया है.चलिए मैं उसे समझाऊँगी.

विजय:अरे नहीं, मुझे तो उसके साथ बच्चपन में बिताए हुए दिन याद आ रहें है, वो कितना मासूम और प्यारा लगता था .

सूत्रधार: गोल्डी आकार माता पिता के सामने घुटनों के बाल खड़ा होकर कुछ कहने लागत है.

गोल्डी: माँ ,पिताजी मुझे आपसे कुछ कहना है.मुझे एहसास हो रहा है की नासमझी में मैंने कई बार आपकी बातों को ठुकराकर आपका दिल दुखाया.एक सच्चे दोस्त ने मेरे जीवन में ऐसा उजाला कर दिया की आपमें मुझे भगवान नज़र आ रहें है.मुझे माफ करदो माँ,मुझे माफ करदो पिताजी.......

सूत्रधार:इतना कहकर गोल्डी माता पिता के चरणों में गिरके उनसे बार बार माफी मांगने लगता है.

वजय: गोल्डी कही मै सपना तो नहीं देख रहा हूँ .अरे बस बस गोल्डी,तुम्हे माफ किया.आज तो ऐसा लग रहा है जैसे कोई खुशीयों का त्योहार है.

गोल्डी: ( एकदम उठकर खड़ा हो जाता है ) हाँ पिताजी ,आज मात्रु पित्रू पूजन दिवस है.आज सभी अपने माता पिता की पूजा अर्चना करते है,उनकी आरती उतारते है.इसकी पहल पूज्य संत श्री आशारामजी बापू ने की है.ये उत्सव पुरे वोर्ल्ड में मनाया जा रहा है.अब आप और माँ जल्दी तैयार हो जाइए और मेरे साथ एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में चलिए जहा मै आपकी पूजा करूंगा.